



LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

Previous Year Paper

RJS PRELIMINARY EXAM 2017

SL. no	Name of Act	QUESTION No.
1.	Constitution of India	13-14
2.	Code of Civil Procedure, 1908	4, 20-21, 35
3.	Code of Criminal Procedure	37, 49-50, 52, 55, 59-62, 64, 66, 69-70
4.	Indian Evidence Act, 1872,	17, 38, 54, 65
5.	Contract Act, 1872	26
6.	Partnership Act	33
7.	Limitation Act, 1963	
8.	Specific Relief Act, 1963	
9.	Transfer of Property Act, 1882	7, 24
10.	Indian Penal Code, 1860	15, 56-57, 60
11.	Sale of goods Act	
12.	Negotiable Instrument Act, 1881	28, 63
13.	Law of Torts	
14.	Narcotic Drugs and Psychotropic Substances	43-45, 58
15.	Interpretation of statute	9
16.	Probation of Offenders Act	53
17.	Juvenile Justice Act	39-42
18.	Protection of Women from Domestic Violence Act	51
19.	Information Technology Act	36
20.	Rajasthan Rent Control Act, 2001	22
21.	Motor Vehicles Act, 1988	5
22.	Arbitration and Conciliation Act, 1996	30-31
23.	Rajasthan Land Revenue Act, 1956	19
24.	Rajasthan Tenancy Act, 1955	27
25.	Hindu Law (Hindu succession Act, Hindu Adoption and Maintenance, Hindu Marriage Act, Hindu Minority and Guardianship Act)	1-2, 16, 18
26.	Muslim Law	10
27.	Legal Services Authorities Act	3
28.	Raj Guaranteed delivery of public services Act	
29.	Raj right to hearing act	
30.	Rajasthan Panchayati Raj Act	32
31.	Rajasthan Municipalities Act	23
32.	Raj Agricultural Credit Operations Act,	
33.	Raj Court Fees & Suits Valuation Act,	25
34.	Rajasthan Stamp Act, 1998	12
35.	Registration Act, 1908	6, 46
36.	Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012,	68
37.	Raj relief of agricultural indebtedness Act	11
38.	General rules(civil)	29
39.	General rules(criminal)	
40.	Electricity Act, 2003	68
41.	SC/ST (Prevention of Atrocities) Act	
42.	Easements Act, 1882	
43.	Legal maxim	8



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📞 Linking Laws™@Tansukh Sir
📞 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





1. भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रोबेट प्रदान नहीं किया जा सकता है:/Under provisions of Indian Succession Act, 1925 probate cannot be granted to:

- (a) एक विवाहिता पुत्री को/A married daughter
- (b) एक अवयस्क पुत्र को/A minor son
- (c) अधर्मज शिशु को/Illegitimate child
- (d) अर्धरक्त भाई को/Half brother [b]

2. हिन्दू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत इनमें से किसे दत्तक नहीं लिया जा सकता है:/Under the Hindu Adoptions and Maintenance Act, 1956 who among the following cannot be adopted:

- (a) एक हिन्दू को/A Hindu
- (b) पूर्व से दत्तक बालक को/Already adopted child
- (c) एक अवयस्क को/A minor
- (d) एक अविवाहित बालक को/An unmarried child [b]

3. विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित में से कौनसी "जन उपयोगी सेवा" नहीं है:/Which of the following is not a 'Public Utility Service' for the purpose of the Legal Services Authority Act, 1987:

- (a) परिवहन सेवा/Transport Service
- (b) डाक, तार अथवा दूरभाष सेवा/Postal, Telegraph or Telephone Service
- (c) बीमा सेवा/Insurance Service
- (d) बैंकिंग सेवा/Banking Services [d]

4. वाद के लम्बित रहने के दौरान एक प्रकरण में समनुदेशन अथवा किसी हित के न्यागमन के

कारण एक पक्षकार जोड़ा अथवा प्रतिस्थापित किया गया है, ऐसे पक्षकार के सम्बन्ध में वाद संस्थित हुआ होना माना जायेगा:/In a case where a party is added or substituted owing to assignment or devolution of any interest during the pendency of a suit, the suit shall as regards him, be deemed to have been instituted:

- (a) उस दिनांक को जब वाद संस्थित किया गया था/On the date the suit was instituted.
- (b) जब उसे पक्षकार बनाया गया था/When he was so made a party.
- (c) उस दिनांक को जब जोड़ने अथवा प्रतिस्थापित करने हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया गया/On the date when the application for addition or substitution is made.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above. [a]

5. मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 163क के अन्तर्गत तृतीय पक्ष घातक दुर्घटना सम्बन्धी दावों के लिये प्रतिकर की अनुसूची के अनुसार परिवलित प्रतिकर की रकम में से उन व्ययों को ध्यान में रखते हुए, जो आहत व्यक्ति अपने पालन-पोषण हेतु उपगत करता, यदि वह जीवित रहता, रकम घटाई जायेगी:/As per Schedule for compensation for third party fatal accidents under Section 163A of the Motor Vehicles Act, 1988 the amount of compensation arrived at, in consideration of the expenses, which a victim would have incurred, towards maintaining himself, had he been alive, shall be reduced by:





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

- (a) 1/2
(b) 1/3
(c) 1/4
(d) 1/8 [b]
6. पंजीयन अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत एक स्थावर सम्पत्ति के दान विलेख हेतु:/For an instrument of gift of immovable property, under the Registration Act, 1908:
(a) पंजीयन अनिवार्य है/Registration is compulsory
(b) पंजीयन ऐच्छिक है/Registration is optional
(c) पंजीयन से छूट प्राप्त है/Registration is exempted
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [a]
7. जहाँ पट्टा एक वर्ष या अधिक वर्षों की समयावधि का है, जिसमें इसके अवसान से पूर्व पर्यावसित योग्य होना उल्लेखित है और पट्टे में किसके विकल्प पर पर्यवसनीय होगा, इस तथ्य का लोप है तो ऐसा करने का विकल्प किसके पास होगा:/Where the time limit of a lease is of a year or number of years, which is expressed to be determinable before its expiration, and the lease omits to mention at whose option it is so terminable, who shall have such option:
(a) पट्टेदार/Lessee
(b) पट्टाकर्ता/Lessor
(c) अन्तरणकर्ता/Transferor
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [a]
8. सूत्र "Actus curiaeneminem gravabit" से आशय है:/The maxim 'Actus curiae neminem gravabit' means:
(a) न्यायालय के कार्य से किसी की हानि नहीं होती/An act of the Court shall prejudice no man.
(b) दैवीय कार्य किसी को क्षति नहीं पहुँचाता/The act of God does wrong to no one.
(c) विधिक कार्य से किसी की हानि नहीं होती/An act in law shall prejudice no man.
(d) केवल कार्य किसी को अपराधी नहीं बनाता यदि उसका मन भी अपराधी न हो/An act does not constitute guilt unless done with a guilty intention. [a]
9. निम्नलिखित में से कौनसा विधि के अर्थान्वयन अथवा निर्वचन हेतु आंतरिक रूप से सहायक नहीं है:/Which of the following is not an internal aid to the construction or interpretation of statute:
(a) एक अधिनियम का लम्बा शीर्षक/Long Title of an Act.
(b) उदाहरण/Illustrations
(c) धारा में संलग्न पार्श्व टिप्पणी/Marginal Notes appended to a section.
(d) विधि की प्रस्तावना/Preamble of a statute [c]
10. तलाकशुदा स्त्री के मामले में, यदि वह मासिक धर्म में हों, इद्दत की अवधि से अभिप्रेत है:/Iddat period, in case of a divorced woman, if she is subject to menstruation, means:
(a) तलाक की दिनांक से तीन ऋतुकाल/Three menstrual courses after the date of divorce.





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

- (b) तलाक की दिनांक से छः माह की अवधि/Six months period after the date of divorce.
- (c) तलाक की दिनांक से नौ ऋतुकाल/Nine menstrual courses after the date of divorce.
- (d) तलाक की दिनांक से नौ माह की अवधि/Nine months period after the date of divorce.
- [a]
11. राजस्थान कृषि ऋणिता अवमुक्ति अधिनियम, 1957 के प्रयोजनार्थ शब्द "कृषि" में सम्मिलित नहीं है:/For the purpose of Rajasthan Relief of Agricultural indebtedness Act, 1957, the term 'agriculture' does not include:
- (a) उद्यान कृषि/Horticulture
- (b) पशु, ऊंट, भेड़ या बकरियां पालना/Breeding of cattle, camels, sheep or goats
- (c) मधुमक्खी पालन एवं शहद एकत्रित करना/Bee farming and collecting honey
- (d) चारे की चराई या छवाने की घास के लिए भूमि का आरक्षण/Reserving of land for fodder grazing or thatching grass.
- [c]
12. कलक्टर (मुद्रांक) के आदेश से व्यथित व्यक्ति, राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 की धारा 65 के अन्तर्गत पुनरीक्षण हेतु किसके समक्ष आवेदन कर सकता है:/Any person aggrieved by an order made by the Collector (Stamps) can apply for a revision under Section 65 of the Rajasthan Stamp Act, 1998, before:
- (a) राजस्थान उच्च न्यायालय/Rajasthan High Court
- (b) मुख्य नियंत्रक राजस्व प्राधिकारी/Chief Controlling Revenue Authority
- (c) महानिरीक्षक मुद्रांक/Inspector General of Stamps
- (d) राज्य सरकार/State Government [b]
13. भारत का उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता का प्रयोग करते हुए ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जो कि किसी वाद में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो, ऐसी शक्ति प्रदत्त की गई है:/The Supreme Court of India in the exercise of its jurisdiction may make such order as is necessary for doing complete justice in any case, such power is conferred by:
- (a) भारत के संविधान के अनुच्छेद 141 द्वारा/Article 141 of the Constitution of India.
- (b) भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 द्वारा/Article 142 of the Constitution of India.
- (c) भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 द्वारा/Article 32 of the Constitution of India.
- (d) भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 द्वारा/Article 124 of the Constitution of India.
- [b]
14. किस निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार होना अभिनिर्धारित किया है:/In which Judgement, Hon'ble Supreme Court has held Right to Privacy to be a Fundamental Right:



- (a) सुब्रह्मण्यम स्वामी बनाम् भारत संघ एवं अन्य/Subramaniam Swamy vs. Union of India & Ors.
- (b) लोकप्रहरी बनाम् भारत संघ एवं अन्य/Lok Prahari vs. Union of India & Ors.
- (c) जस्टिस सुनंदा भण्डारे फाउण्डेशन बनाम् भारत संघ एवं अन्य/Justice Sunanda Bhandare Foundation vs. Union of India & Ors.
- (d) जस्टिस के. एस. पुट्टास्वामी एवं अन्य बनाम् भारत संघ एवं अन्य/Justice K.S.Puttaswamy & Anr. vs. Union of India & Ors. [d]
15. अपकृत्य में एक कार्य के विरुद्ध निम्नलिखित में से कौन सी एक वैध प्रतिरक्षा है:/Which of the following is a valid defence against an action in tort:
- (a) तथ्य की भूल/Mistake of fact
- (b) दैवीय कृत्य/Act of God
- (c) अवयस्कता/Minority
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [b]
16. जब विवाह, हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत विवाह विच्छेद की डिक्री द्वारा विघटित कर दिया गया हो और अपील का अधिकार हो तो विवाह विच्छेद प्राप्त व्यक्ति पुनः विवाह कर सकेंगे:/When a marriage has been dissolved by a decree of divorce under Hindu Marriage Act, 1955 and there is a right of appeal, the divorced persons may marry again:
- (a) विवाह विच्छेद की डिक्री के एक माह के अवसान के पश्चात्/After expiry of 1 month from the decree of divorce.
- (b) विवाह विच्छेद की डिक्री पारित होने के तुरन्त पश्चात्/Immediately after passing of the decree of divorce.
- (c) विवाह विच्छेद की डिक्री के दो माह के अवसान के पश्चात्/After expiry of 2 months from the decree of divorce.
- (d) अपील की अवधि के अवसान के पश्चात्, यदि कोई अपील प्रस्तुत नहीं की गई हो/After expiry of the time for appealing, without any appeal having been presented. [d]
17. वचन-विबन्ध, साक्ष्य अधिनियम में अंतर्विष्ट किस प्रावधान के सिद्धान्त का विस्तार है:/Promissory estoppel is the extension of principle contained in which provision of the Evidence Act:
- (a) धारा 65/Section 65
- (b) धारा 110/Section 110
- (c) धारा 115/Section 115
- (d) धारा 150/Section 150 [c]
18. हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 के प्रभाव में आने से पूर्व, निम्न में से कौन निर्वसीयत मृत हिन्दू पुरुष का प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी नहीं था:/Prior to the Hindu Succession (Amendment) Act, 2005 coming into force, who amongst the following was not Class I heir of male Hindu dying intestate:
- (a) माता/Mother
- (b) विधवा/Widow
- (c) पुत्री/Daughter
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [d]





19. एक व्यक्ति, किसी भूमि, जो कि स्थानीय प्राधिकारी के व्ययन पर है, पर बिना विधिसंगत प्राधिकार के काबिज है, को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के किस प्रावधान के अन्तर्गत बेदखल किया जा सकता है:/Under which provision of Rajasthan Land Revenue Act, 1956, a person without lawful authority occupying land, which is at the disposal of local authority, can be evicted:

- (a) अधिनियम की धारा 91/Section 91 of the Act
 - (b) अधिनियम की धारा 90-क/Section 90-A of the Act
 - (c) अधिनियम की धारा 90-ख/Section 90-B of the Act
 - (d) अधिनियम की धारा 92/Section 92 of the Act
- [a]

20. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 2 में परिभाषित "डिक्री" में सम्मिलित नहीं है:/'Decree', as defined by Section 2 of the Code of Civil Procedure, 1908 does not include:

- (a) एक प्रारंभिक डिक्री/A preliminary decree.
 - (b) वादपत्र का नामंजूर किया जाना/Rejection of a plaint.
 - (c) धारा 144 सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत किसी प्रश्न का अवधारण/Determination of any question within Section 144 CPC.
 - (d) व्यतिक्रम हेतु खारिज करने का कोई आदेश/Any order of dismissal for default.
- [d]

21. समझौता लेखबद्ध करने के उपरान्त वाद में पारित किसी डिक्री के विरुद्ध अपील, इस

आधार पर कि समझौता लेखबद्ध नहीं किया जाना चाहिए था, किस प्रावधान के अन्तर्गत प्रस्तुत की जा सकती है:/Against a decree passed in a suit after recording a compromise, an appeal on the ground that the compromise should not have been recorded, can be filed under:

- (a) धारा 151 सिविल प्रक्रिया संहिता/Section 151 CPC.
 - (b) आदेश XXIII सिविल प्रक्रिया संहिता/Order XXIII CPC.
 - (c) आदेश XLIII नियम 1-क सिविल प्रक्रिया संहिता/Order XLIII Rule 1-ACPC.
 - (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above.
- [c]

22. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अध्याय II और III लागू होते हैं:/Chapter II and III of Rajasthan Rent Control Act, 2001 applies to:

- (a) ऐसे किन्हीं परिसरों को, जिन्हें किसी विदेशी नागरिक को किराये पर दिया गया हो/Any premises let out to a citizen of a foreign country.
- (b) किन्हीं भी ऐसे परिसरों को, जो तत्समय प्रवृत्त किसी भी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय के हों या उसमें निहित हों/Any premises belonging to or vested in a University established by any law for the time being in force.
- (c) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 में यथापरिभाषित किसी सरकारी कम्पनी के किन्हीं परिसरों को/Any premises belonging to a Government Company as defined under Section 617 of the Companies Act, 1956.



(d) जयपुर शहर के नगरपालिका क्षेत्र में स्थित किन्हीं परिसरों को, जिन्हें आवासीय प्रयोजनार्थ 8000/- रुपये मासिक किराये पर दिया गया हो।/Any premises situated in the municipal area of Jaipur City, let out for residential purposes, for a monthly rent of Rs. 8,000/-.

[d]

23. अचल सम्पत्ति के प्रत्युद्धरण अथवा उसके स्वत्व की घोषणा के सिवाय एक वाद नगरपालिका अथवा उसके अधिकारियों के विरुद्ध संस्थित किया जा सकता है:/A suit against a municipality or its officers can be instituted otherwise than for the recovery of immovable property or for a declaration of title thereto:

(a) वादकारण उद्भूत होने के छः माह पश्चात्/After six months of the accrual of cause of action.

(b) वादकारण उद्भूत होने के आठ माह पश्चात्/After eight months of the accrual of cause of action.

(c) वादकारण उद्भूत होने के पश्चात् आगामी छः माह के भीतर/Within six months next after the accrual of cause of action.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

24. अनुज्ञप्तियों की मंजूरी और अन्तरण शासित होते हैं:/The grant of and transfer of licences is governed by:

(a) सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 द्वारा/The Transfer of Property Act, 1882.

(b) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 द्वारा/The Specific Relief Act, 1963.

(c) भारतीय संविदा अधिनियम, 1932 द्वारा/The Indian Contract Act, 1932.

(d) भारतीय सुखाचार अधिनियम, 1882 द्वारा/The Indian Easements Act, 1882.

[d]

25. राजस्थान न्यायालय फीस एवं वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत, इस तर्क पर उत्पन्न होने वाले सभी प्रश्न, कि वाद की विषय-वस्तु को समुचित मूल्यांकित नहीं किया गया है अथवा संदत्त फीस पर्याप्त नहीं है, सुने एवं निर्णित किये जायेंगे:/Under Rajasthan Court fees and Suits. Valuation Act, 1961, all questions arising on a plea that the subject matter of the suit has not been properly valued or that the fee paid is not sufficient, are required to be heard and decided:

(a) वाद की अन्तिम सुनवाई के समय/At the final hearing of the suit.

(b) विचारण न्यायालय के विवेक पर/At the discretion of the trial court.

(c) वाद की सुनवाई से पूर्व जैसा कि आदेश XVIII सिविल प्रक्रिया संहिता में अनुध्यात है/Before the hearing of the suit as contemplated by Order XVIII CPC.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[c]

26. कौनसी संविदा विनिर्दिष्ट रूप से प्रवर्तनीय नहीं है:/Which of the contract is not specifically enforceable:

(a) वह संविदा, जिसके अपालन के लिए धन के रूप में प्रतिकर यथायोग्य अनुतोष नहीं हो।/A contract for the non performance of which compensation in money is not an adequate relief.





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

- (b) वह संविदा, जो उसकी प्रकृति से ही पर्यवसेय हो/A contract which is in its nature determinable.
- (c) वह संविदा, जिसके पालन में ऐसा सतत् कर्तव्य का पालन अन्तर्वलित नहीं हो, जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण कर सके/A contract, the performance of which does not involve the performance of a continuous duty, which the Court can supervise.
- (d) वह संविदा, जो पक्षकारों की व्यक्तिगत अर्हताओं अथवा स्वेच्छा पर आश्रित नहीं हों/A contract which is not dependent on the personal qualification or volition of the parties. [b]
27. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के किस प्रावधान के अन्तर्गत राजस्व मण्डल एवं अन्य राजस्व न्यायालयों को पुनर्विलोकन की शक्ति प्रदत्त की गई है:/The power of review on the Board of Revenue and other revenue courts is conferred by which provision of the Rajasthan Tenancy Act, 1955:
- (a) धारा 207/Section 207
(b) धारा 224/Section 224
(c) धारा 229/Section 229
(d) धारा 230/Section 230 [c]
28. निम्न में से कौनसा एक परक्राम्य विलेख नहीं है:/Which of the following is not a negotiable instrument:-
- (a) वचन-पत्र/Promissory note
(b) सावधि जमा रसीद/Fixed Deposit Receipt
(c) विनिमय-पत्र/Bill of Exchange.
(d) चैक/A cheque [b]
29. सामान्य नियम (दीवानी), 1986 के अन्तर्गत सभी अभिवचन, आवेदन-पत्र और याचिकाएं, जो दीवानी न्यायिक कार्यवाहियों में प्रस्तुत की जाती हैं, लिखी जायेंगी:/Under the General Rules (Civil), 1986 all pleadings, applications and petitions filed in the course of civil judicial proceedings, shall be written in:
- (a) हिन्दी/Hindi
(b) अंग्रेजी/English
(c) भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट कोई भाषा/Any language specified in the Eighth Schedule of the Constitution of India.
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [a]
30. माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थ के मामले में "न्यायालय" से अभिप्रेत है:/Under the Arbitration and Conciliation Act, 1996, in the case of international commercial arbitration 'Court' means:
- (a) आरम्भिक अधिकारिता का प्रधान दीवानी न्यायालय/The principal Civil Court of original jurisdiction.
(b) लघुवाद न्यायालय/Small Causes Court
(c) उच्च न्यायालय/The High Court
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]
31. माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 8 के अन्तर्गत पक्षकारों को माध्यस्थम् हेतु निर्देशित करने से इन्कार करने का आदेश अपील योग्य है:/An order refusing to





refer the parties to arbitration under Section 8 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 is appealable under:

- (a) उक्त अधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत/Section 34 of the Act
- (b) भारत के संविधान के अनुच्छेद 227 के अन्तर्गत/Article 227 of the Constitution of India
- (c) उक्त अधिनियम की धारा 37 के अन्तर्गत/Section 37 of the Act
- (d) उक्त अधिनियम की धारा 11 के अन्तर्गत/Section 11 of the Act [c]

32. राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अन्तर्गत पंचायती राज संस्थान के किसी सदस्य अथवा अध्यक्ष को हटाने व निलम्बित करने के प्रावधान अन्तर्विष्ट हैं:/The provisions for removal and suspension of any member or Chairperson of a Panchayati Raj Institution under the Rajasthan Panchayati Raj Act, 1994 are contained in:

- (a) उक्त अधिनियम की धारा 119 में/Section 119 of the Act
- (b) उक्त अधिनियम की धारा 38 में/Section 38 of the Act
- (c) उक्त अधिनियम की धारा 117-क में/Section 117-A of the Act
- (d) उक्त अधिनियम की धारा 39 में/Section 39 of the Act [b]

33. भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 की धारा 10 के अन्तर्गत प्रत्येक भागीदार का कर्तव्य है:/Under section 10 of the Indian Partnership Act, 1932 every partner is under a duty:

- (a) सही हिसाब एवं पूर्ण सूचना देना/To render true accounts and full information.
- (b) उस हर हानि के लिए फर्म की क्षतिपूर्ति करना, जो फर्म के कारबार के संचालन में उसके कपट से फर्म को कारित हुई हो/To indemnify the firm for any loss caused to it by his fraud in the conduct of the business of the firm.
- (c) फर्म के कारबार के अतिरिक्त अन्य कोई कारबार संचालित नहीं करना/Not to carry on any business other than that of the firm.
- (d) एक दूसरे के प्रति विश्वासपरायण व वफादार होना/To be just and faithful to each other. [b]

34. माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अन्तर्गत, चल माल में सम्मिलित नहीं है:/Under Sale of Goods Act, 1930, movable goods does not include:

- (a) स्टॉक एवं शेयर्स/Stock and shares
- (b) घास/Grass
- (c) धन/Money
- (d) उगती फसलें/Growing crops [c]

35. किसी निगम के विरुद्ध वाद में समन की तामील की जायेगी:/In a suit against a Corporation, the summons may be served on:

- (a) निगम के किसी भी कर्मचारी पर/Any employee of the corporation.
- (b) निगम के निदेशक के रिश्तेदार पर/Relative of the director of the corporation.
- (c) निगम के प्रधान अधिकारी पर/Principal officer of the corporation.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

36. सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66ख, 66ग, 66घ और 66ड़ के अपराध हैं:/The offences under Sections 66B, 66C, 66D and 66E of Information and Technology Act, 2000, are:

- (a) संज्ञेय/Cognizable
 - (b) सेशन विचारणीय/Sessions Triable
 - (c) अजमानतीय/Non-bailable
 - (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above
- [a]

37. परिवाद पर संस्थित किसी मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय मामले का परिवादी, सक्षम न्यायालय द्वारा पारित दोषमुक्ति के निर्णय को, चुनौती दे सकता है:/A complainant, of a Magistrate triable case instituted upon a complaint, can challenge the judgment of acquittal passed by the competent court, by filing:

- (a) सेशन न्यायालय में पुनरीक्षण प्रस्तुत कर/Revision in the Sessions Court.
 - (b) उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण प्रस्तुत कर/Revision in the High Court.
 - (c) सेशन न्यायालय के समक्ष अपील प्रस्तुत कर/Appeal before a Sessions Court.
 - (d) अपील की इजाजत दिये जाने हेतु उच्च न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर/Application for grant of leave to appeal in the High Court.
- [d]

38. साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 के अन्तर्गत एक अभियुक्त द्वारा दी गई सूचना, अभिलिखित की जायेगी:/An information, supplied by an accused under Section 27 of the Evidence Act, shall be recorded:

(a) दो स्वतंत्र पंच साक्षियों की उपस्थिति में/In presence of two independent Panch witnesses.

(b) राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति में/In presence of a Gazetted Officer.

(c) दो पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में/In presence of two Police Officers.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

[d]

39. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अन्तर्गत एक व्यक्ति की आयु का निर्धारण करते समय न्यायालय/बोर्ड को निम्नलिखित दस्तावेज/साक्ष्य को प्राथमिकता के क्रम में विचारित करना होगा:/While assessing age of a person under the Juvenile Justice (care and protection of children) Act, 2015, the Court/Board is required to consider the documents/evidence in the following order of preference:

(a) (i) नगरपालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र (ii) स्कूल प्रमाण-पत्र (iii) अस्थि-निर्माण परीक्षण रिपोर्ट (iv) आधार कार्ड/(i) Birth Certificate issued by a Municipality. (ii) School Certificate. (iii) Ossification test report. (iv) Aadhar Card.

(b) (i) अस्थि-निर्माण परीक्षण रिपोर्ट (ii) नगरपालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र (ii) आधार कार्ड/(i) Ossification test report. (ii) Birth Certificate issued by the Municipality. (iii) Aadhar Card.

(c) (i) स्कूल द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र/मैट्रिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र (i) नगरपालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र (iii) अस्थि-निर्माण परीक्षण रिपोर्ट/(i) Birth Certificate issued from





the school/matriculation certificate.
(ii) Date of birth certificate issued by the Municipality. (iii) Ossification test report.
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

40. विधि का उल्लंघन करने वाले बालक की जाँच करने के पश्चात् किशोर न्याय बोर्ड निम्नलिखित में से कौन सा आदेश पारित नहीं कर सकेगा:/Which of the following orders may not be passed by the Juvenile Justice Board after conducting inquiry of a child in conflict with law:

(a) बालक को विद्यालय में उपस्थित होने का निर्देश/Direct the child to attend a school.
(b) बालक को व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र में उपस्थित होने का निर्देश/Direct the child to attend a vocational training centre.
(c) बालक को उसके 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक कारावास का दण्ड/Sentence the child to imprisonment till he attains 18 years of age.
(d) बालक को सामुदायिक सेवा करने का निर्देश/Direct the child to perform community service. [c]

41. किसी जघन्य अपराध करने वाले विधि का उल्लंघन करने वाले बालक का विचारण करने वाला बालक न्यायालय, सशक्त नहीं है:/A Children Court trying a child in conflict with law for a heinous offence, is not empowered to:

(a) बालक का एक वयस्क की तरह विचारण करने हेतु/Hold trial of a child as an adult.

(b) बालक की जाँच किशोर न्याय बोर्ड के रूप में करने हेतु/Hold inquiry of the child as a Juvenile Justice Board.

(c) बालक को 10 वर्ष की अवधि के कारावास की सजा देने हेतु/Sentence the child to imprisonment for a term of 10 years.

(d) बालक को उसके 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक सुरक्षित स्थान में भेजने हेतु/Send the child to a place of safety till he attains the age of 21 years. [c]

42. जहाँ, किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 15 के अन्तर्गत जाँच करने के पश्चात् किशोर न्याय बोर्ड सन्तुष्ट है कि एक 16 वर्ष से अधिक की आयु के बालक ने जघन्य अपराध कारित किया है और उसका विचारण एक वयस्क की भाँति किया जाना चाहिए, तो बोर्ड कर सकेगा:/Where, after inquiry under Section 15 of the Juvenile Justice (care and protection of children) Act, 2015, the Juvenile Justice Board is satisfied that a child above 16 years of age, has committed a heinous offence and should be tried as an adult, it may:

(a) बालक का वयस्क की भाँति विचारण करने हेतु मामले को सम्बन्धित सेशन न्यायालय को उपार्पित।/Commit the case to the Sessions Court concerned for trial of the child as an adult.

(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता में उपबन्धित प्रक्रिया के अनुसार बालक का विचारण।/Try the child as per the procedure provided in Cr.P.C.

(c) सम्बन्धित न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु आरोप-पत्र अनुसंधान अधिकारी को लौटा सकेगा।/Return the charge-sheet to the



Investigating Officer for presentation in the Court concerned.

(d) बालक का वयस्क की भांति विचारण करने हेतु मामले को बालक न्यायालय को अन्तरित।/Transfer the case to the Children Court for trial of the child as an adult. [d]

43. राजमार्ग पर जा रहे किसी निजी वाहन के सम्बन्ध में यह सन्देह है कि इसमें मनःप्रभावी औषधि ले जाई जा रही है, की तलाशी ली जा सकेगी:/A private vehicle proceeding on a Highway, suspected to be carrying psychotropic drugs, may be searched by:

(a) सम्बन्धित पुलिस थाने में पदस्थापित मुख्य आरक्षी द्वारा/A Head Constable posted in the Police Station concerned.

(b) किसी अन्य जिले में पदस्थापित उपनिरीक्षक द्वारा/A Sub-Inspector posted in some other District.

(c) पुलिस उपाधीक्षक अथवा सम्बन्धित क्षेत्र के पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी द्वारा/The Deputy Superintendent of Police or officer-in-charge of police station of the area concerned.

(d) उपरोक्त सभी के द्वारा/All of the above [d]

44. एक संदिग्ध व्यक्ति जो एक थैले में स्वापक औषधि ले जा रहा है, की तलाशी लेने से पूर्व सम्बन्धित अधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वह संदिग्ध व्यक्ति को उसके इस अधिकार से अवगत करवाये कि वह अपनी तलाशी करवाने का अधिकारी है:/Before searching a suspect carrying a bag containing narcotic drugs in his hand, the

Officer concerned is required to apprise him of his right to be searched in the presence of:

(a) मजिस्ट्रेट अथवा राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति में/A Magistrate or a Gazetted Officer.

(b) दो स्वतन्त्र स्थानीय साक्षीगण की उपस्थिति में/Two independent witnesses from the locality.

(c) सम्बन्धित क्षेत्र के पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी की उपस्थिति में/Officer-in-charge of the Police Station of the area concerned.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [d]

45. स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध कारित करने हेतु उपयोग में लाये गये वाहन, कन्टेनर अथवा आवेष्टक अधिहरण किये जाने योग्य नहीं होगा:/A vehicle, container or a receptacles used for commission of an offence punishable under the NDPS Act, 1985, shall not be liable to be confiscated:

(a) यदि उसे प्रयुक्त करने वाले व्यक्ति को न्यायालय द्वारा विचारण के पश्चात् दोषमुक्त कर दिया गया हो/If the person using the same is acquitted by the Court after trial.

(b) यदि अभियोजन उसके स्वामित्व सम्बन्धी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहता है।/If the prosecution fails to lead evidence about its ownership.

(c) यदि स्वामी यह साबित करता है कि अपराध करने हेतु वाहन का उपयोग उसके ज्ञान अथवा मौनानुकूलता के बिना किया गया था।/If the





owner proves that the vehicle was used in commission of the offence without his knowledge or connivance.
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

46. ए. एक भूखण्ड का स्वामी होते हुए उसे वर्ष 2005 में पंजीकृत विक्रय विलेख के जरिये बी को विक्रय करता है। यद्यपि बी ए को इसका पूर्ण भुगतान नहीं करता है। ए वर्ष 2010 में पुनः इसी भूखण्ड को सी को, 2005 के पूर्ववर्ती संव्यवहार के बारे में सूचित किये बिना विक्रय कर देता है। इन परिस्थितियों में कौन व्यथित व्यक्ति होगा:/A being the owner of a plot of land, sells the same to B through a registered sale deed in the year 2005. B however does not make full payment to A. A again sells the same land to C in the year 2010 without informing him of the earlier transaction of 2005. Who would be the person aggrieved in these circumstances:
(a) बी (प्रथम क्रेता)/B (the first purchaser).
(b) ए (विक्रेता)/A (the seller).
(c) सी (पश्चात्कर्ती क्रेता)/C (the subsequent purchaser)
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

47. न्यायालय अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के विशिष्ट न्यायाधीश द्वारा पारित इस अधिनियम में वर्णित किसी अपराध/अपराधों के सम्बन्ध में जमानत आवेदन अस्वीकार करने के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी:/The bail

application rejected by the Special Judge, SC/ST (Prevention of Atrocities) Act, in a case involving offencels under the said Act, may be challenged in the High Court, by filing:

- (a) धारा 439 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत जमानत आवेदन-पत्र प्रस्तुत करके/Bail application under Section 439 Cr.P.C.
(b) धारा 397 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत पुनरीक्षण प्रस्तुत करके/Revision under Section 397 Cr.P.C.
(c) धारा 482 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत याचिका प्रस्तुत करके/Petition under Section 482 Cr.P.C.
(d) अपील प्रस्तुत करके/An appeal [d]

48. एक्स यह जानता है कि वाई अनुसूचित जाति के समुदाय का सदस्य है। परस्पर-लड़ाई के अनुक्रम के दौरान एक्स वाई को धारदार हथियार से घोर उपहति कारित करता है। एक्स दण्डनीय अपराध अन्तर्गत धारा/धाराओं का दोषी है:/X knows that Y is a member of Scheduled Caste community. During the course of a free fight, X inflicts a grievous injury to Y by a sharp weapon. X is guilty of offence punishable under Section(s):

- (a) केवल 326 भारतीय दण्ड संहिता/326 IPC only
(b) 3(b)(v) अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम/3(b)(V) of SC/ST (Prevention of Atrocities) Act.
(c) 326 भारतीय दण्ड संहिता और 3(b)(v) अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण)/326 IPC and 3(b)(V) of SC/ST (Prevention of Atrocities) Act.



- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]
49. एक 30 वर्षीय महिला और उसका 14 वर्षीय पुत्र एका हत्या के साक्षी है। सम्बन्धित पुलिस अधिकारी द्वारा उनके कथन अन्तर्गत धारा 161 दण्ड प्रक्रिया संहिता, लेखबद्ध किये जा सकेंगे:/A woman aged 30 years and her son aged 14 years, are witnesses to a murder. Their statements under Section 161 Cr.P.C. may be recorded by the Police Officer concerned at:
- (a) घटनास्थल पर/The scene of the occurrence.
(b) महिला पुलिस थाना पर/The Women Police Station.
(c) उस पुलिस थाना पर जहाँ पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है/At the Police Station where FIR is registered.
(d) उस स्थान पर जहाँ ऐसी महिला व उसका पुत्र रहते हैं/The place where, such woman and her son reside. [d]
50. निम्न मामलों में से कौनसे में, न्यायालय को आरोप विरचित करने से पूर्व साक्ष्य लेखबद्ध करनी आवश्यक है/In which of the following cases, the Court is required to record evidence before framing of charge:
- (a) समन्स विचारणीय मामले/Summons trial cases.
(b) सेशन विचारणीय मामले/Sessions trial cases.
(c) परिवाद पर संस्थित वारण्ट मामले/Warrant cases instituted upon a complaint.
- (d) पुलिस रिपोर्ट पर संस्थित वारण्ट मामले/Warrant cases instituted upon a Police report. [c]
51. घरेलू हिंसा से स्त्री का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत निम्न में से पारित किस आदेश की अपालना, एक अपराध है:/Non-compliance of, which of the following orders passed under the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005, is an offence:
- (a) भरण-पोषण आदेश/Maintenance order
(b) अभिरक्षा आदेश/Custody order
(c) आवासीय आदेश/Residence order
(d) संरक्षण आदेश/Protection order [d]
52. एक स्त्री जिसके साथ बलात्संग हुआ है, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के अन्तर्गत दिये गये कथनों में अभियुक्त को संलिप्त करती है। कुछ समय पश्चात्, परन्तु विचारण में उसके कथन अभिलिखित किये जाने से पूर्व, वह आत्महत्या कर लेती है। धारा 164 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत लेखबद्ध ऐसे कथन:/A woman subjected to rape, gives a statement under Section 164 Cr.P.C. implicating the accused for the offence. She commits suicide sometime later but before her statement could be recorded at the trial. Such statement recorded under Section 164 Cr.P.C. would be:
- (a) सारवान साक्ष्य के रूप में ग्राह्य होंगे/Admissible as a substantive piece of evidence.





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

(b) धारा 32 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत ग्राह्य होंगे/Admissible under Section 32 of the Evidence Act.

(c) धारा 33 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत ग्राह्य होंगे/Admissible under Section 33 of the Evidence Act.

(d) साक्ष्य में अग्राह्य होंगे/Inadmissible in evidence. [d]

53. एक न्यायालय विचारण के पश्चात् अभियुक्त को दोषसिद्ध करता है और उसे अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 का लाभ प्रदान करता है। निम्न में से कौनसा आदेश विधि में अननुज्ञेय है:/A Court after holding trial, convicts and grants benefit of Probation of Offenders Act, 1958 to an accused. Which of the following orders is impermissible in law:

(a) अपराधी की भर्त्सना/Admonish the offender.

(b) उक्त अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत यह निर्देश कि उक्त दोषसिद्धि उसकी सेवा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं रखेगी।/Direct under Section 12 of the Act that the conviction shall not have an adverse effect on his service.

(c) अपराधी को क्षतिपूर्ति एवं खर्चा अदा करने का निर्देश।/Direct the offender to pay compensation and cost.

(d) अपराधी को 3 वर्षों के लिए शान्ति व सदाचार बनाये रखने हेतु जमानत व बन्धपत्र प्रस्तुत करने का निर्देश।/Direct the offender to furnish bail and bonds to keep peace and good behaviour for three years. [b]

54. दो दोस्त ए और बी एक कमरे में जिसका दरवाजा अन्दर से बन्द था, में सो रहे थे। सुबह

ए की हत्या हुई होना पाया गया। साक्ष्य अधिनियम के किस प्रावधान के अन्तर्गत अभियोजन, हत्या किस तरीके से हुई है, साबित करने का भार बी पर अधिरोपित करने का कह सकता है:/Two friends A and B were sleeping in a room which was bolted from inside. In the morning, A is found murdered. Under which provision of the Evidence Act, prosecution can claim shifting of burden on B to prove the manner in which the murder took place:

(a) साक्ष्य अधिनियम की धारा 114/Section 114 of the Evidence Act.

(b) साक्ष्य अधिनियम की धारा 103/Section 103 of the Evidence Act.

(c) साक्ष्य अधिनियम की धारा 106/Section 106 of the Evidence Act.

(d) साक्ष्य अधिनियम की धारा 101/Section 101 of the Evidence Act. [c]

55. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406 के अपराध के सम्बन्ध में एक प्रथम सूचना रिपोर्ट 01.01.2010 को दर्ज की गई। पुलिस अन्वेषण करती है और सम्बन्धित न्यायालय में नकारात्मक अंतिम रिपोर्ट 02.02.2012 को प्रस्तुत करती है। 03.03.2013 को न्यायालय द्वारा उक्त अपराध का प्रसंज्ञान लिया जाता है। इन परिस्थितियों में, निम्न में से कौनसा सही है:/An FIR in relation to the offence under Section 406 IPC is lodged on 1.1.2010. The Police conducts investigation and submits a negative Final Report in the Court concerned on 2.2.2012. The Court takes cognizance of the above offence on 3.3.2013. In these





circumstances, which of the following is correct:

- (a) कार्यवाहियाँ परिसीमा द्वारा वर्जित है।/The proceedings are barred by limitation.
- (b) कार्यवाहियाँ परिसीमा द्वारा वर्जित नहीं है क्योंकि धारा 406 भारतीय दण्ड संहिता का अपराध एक निरन्तर चलने वाला अपराध है।/The proceedings are not barred by limitation as the offence under Section 406 IPC is a continuing offence.
- (c) कार्यवाहियाँ परिसीमा द्वारा वर्जित नहीं है क्योंकि प्रथम सूचना रिपोर्ट अविलम्ब दर्ज करवाई गई थी।/The proceedings are not barred by limitation as the FIR was lodged promptly.
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [d]

56. सी ने बी की पत्नी रहते हुए सक्षम न्यायालय से पृथक्करण की डिक्री प्राप्त कर ली है परन्तु वे अभी भी एक ही परिसर में रह रहे हैं। बी, सी के साथ संभोग करता है। ए, जो कि उनका पड़ोसी है, यह कृत्य देखता है और एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाता है। इन परिस्थितियों में कौनसा कथन सही है:/C being the wife of B, has obtained a decree of separation from the competent Court but they are still living in the same premises. B subjects C to intercourse. Their neighbour A watches the act and files an FIR. Which proposition is correct in these circumstances:

- (a) बी, धारा 376-ख भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध का दोषी है।/B is

guilty of the offence punishable under Section 376-B IPC.

(b) बी, किसी भी अपराध का दोषी नहीं है क्योंकि सी निरन्तर उसकी वैध विवाहिता पत्नी है।/B is not guilty of any offence because C continues to be his legally wedded wife.

(c) ए धारा 354-ग भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध का दोषी होगा।/A would be guilty of the offence punishable under Section 354-C IPC.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

57. 5 व्यक्ति एक खेत पर अवैध कब्जा करते हैं। भूस्वामी (परिवादी पक्ष) अपने समर्थकों को एकत्रित करके खेत पर अतिचारियों को वहाँ से बाहर निकालने के लिए जाता है। परस्पर मारपीट के आगे बढ़ने पर परिवादी पक्ष के एक व्यक्ति को अतिचारियों द्वारा मार दिया जाता है। सभी अभियुक्तगण दोषसिद्ध किये जा सकते हैं:/5 persons take illegal possession of a field. The owner (the complainant party) of the field collects his supporters and goes to the field for ousting the trespassers therefrom. In the free fight, which ensues, the trespassers kill one person from the complainant side. All The accused can be convicted :

(a) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 34 की सहायता से/With the aid of section 34 of IPC.

(b) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 149 की सहायता से/With the aid of section 149 of IPC.



(c) परिवादी पक्ष के सदस्यों को कारित व्यक्तिगत उपहतियों हेतु/For the individual injuries caused to the members of the complainant party.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

58. **स्वापक औषधी एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत एक मामले का अनुसंधान कर रहे अनुसंधान अधिकारी, अभियुक्त जिससे कि स्वापक औषधी बरामदगी की गई थी एवं षडयन्त्रकर्ता जिसने औषधी आपूर्ति की थी, द्वारा धारित मोबाईल फोन की कॉल डिटेल्स (कॉल का विवरण) एकत्रित करता है। ऐसी कॉल-डिटेल्स (कॉल का विवरण):/The Investigating Officer conducting investigation of a case under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 collects the call details of the mobile phones held by the accused from whom, recovery of drug was effected and the conspirator, who supplied the drug. Such call details:**
- (a) षडयन्त्र का आरोप प्रमाणित करने के लिए सारवान साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त की जा सकती है।/Can be used as substantive evidence to prove the charge of conspiracy.
- (b) साक्ष्य में अग्राह्य है।/Are inadmissible in evidence.
- (c) केवल तब ही सुसंगत मानी जा सकती है यदि दोनो अभियुक्तगण के मध्य हुए वार्तालाप को रिकॉर्ड किया गया है और इसे विचारण में साबित किया जाता है।/Can be considered relevant only if the conversation held between

the two accused is recorded and proved at the trial.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

59. **भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304 भाग II के अन्तर्गत दण्डनीय किसी अपराध में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया जाता है और अभियोजन धारा 167(2) दण्ड प्रक्रिया संहिता के उपबन्धों की आवश्यकताओं की पालना करने में विफल रहता है। अभियुक्त, जो कि एक आदतन अपराधी है, अनिवार्य जमानत प्राप्त करने का हकदार हो जाता है:/In a case involving the offence punishable under Section 304 Part II of IPC, the accused, is arrested and the prosecution fails to comply with the requirements of Section 167(2) Cr.P.C. The accused, who is a habitual offender, becomes entitled to compulsive bail on:**
- (a) गिरफ्तारी की दिनांक से 61वें दिवस को/61st day from the date of his arrest.
- (b) गिरफ्तारी की दिनांक से 91वें दिवस को/91st day from the date of his arrest.
- (c) अभियुक्त अनिवार्य जमानत पर रिहा होने का हकदार नहीं है।/The accused is not entitled to be released on compulsive bail .
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [a]

60. **एक पटवारी राजस्व अभिलेख तैयार करते समय, आशय पूर्वक, दस्तावेजों में गलत तथ्यों को प्रविष्ट करता है और उसे भूमि के वास्तविक स्वामी को हानि कारित करने के आशय से हस्ताक्षरित एवं सत्यापित करता है। पटवारी**



दोषी है:/A Patwari while preparing a revenue record, intentionally enters incorrect facts in the documents and signs & certifies the same with the intention of causing loss to the true owner of the land. The Patwari is guilty of:

(a) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 467 और 468 के अन्तर्गत दण्डनीय, मिथ्या/कूटरचित दस्तावेज बनाने के अपराध का/Offence of creating false/ forged documents punishable under Sections 467 and 468 IPC.

(b) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 471 के अन्तर्गत दण्डनीय, कूटरचित दस्तावेज को प्रयुक्त करने के अपराध का/Offence of using a forged document punishable under Section 471 IPC.

(c) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406 के अन्तर्गत दण्डनीय, आपराधिक न्यासभंग के अपराध का/Offence of criminal breach of trust punishable under Section 406 IPC.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [d]

61. एक 20 वर्षीय अभियुक्त, जिसका कोई पूर्व का आपराधिक आचरण नहीं है, उसे विचारण न्यायालय द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304 के आरोप में दोषसिद्ध किया जाता है। इन परिस्थितियों में:/An accused aged 20 years, having no previous criminal conduct, charged for the offence under Section 304 IPC, is convicted by the trial court. In these circumstances:

(a) विचारण न्यायालय अभियुक्त को परिवीक्षा पर छोड़ने हेतु विधि की आज्ञापकता के अधीन है।/The trial court is under a mandate

of law to release the accused on probation.

(b) विचारण न्यायालय अभियुक्त को परिवीक्षा पर छोड़ सकेगा।/The trial court may release the accused on probation.

(c) अभियुक्त परिवीक्षा का लाभ प्राप्त करने का हकदार नहीं है क्योंकि अपराध 10 वर्ष तक के कारावास की सजा से दण्डनीय है।/The accused is not entitled to the benefit of probation because the offence is punishable with imprisonment upto 10 years.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [a]

62. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में यह प्रतिपादित किया है. कि पुलिस, क्षेत्राधिकार के अभाव के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध करने से, इन्कार नहीं कर सकती है:/In which judgment, Hon'ble Supreme Court has laid down that the Police cannot refuse registration of an FIR on the ground of lack of jurisdiction:

(a) मनीषरतन बनाम् मध्य प्रदेश राज्य; 2007(1) एस.सी.सी. 336/Manish Ratan Vs. State of M.P.; 2007(1) SCC 336

(b) अमरेन्दु ज्योति बनाम् छत्तीसगढ़ राज्य; 2014(6) क्रिमीनल 719/Amrendu Jyoti Vs. State of Chhattisgarh; 2014(6) Criminal 719

(c) रसिकलाल दलपतराम ठक्कर बनाम् गुजरात राज्य एवं अन्य; ए.आई.आर. 2010 एस.सी. 715/Rasiklal Dalpatram Thakkar Vs. State of Gujarat & Ors.; AIR 2010 SC 715





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

(d) वाई. अब्राहम अजिथ एवं अन्य बनाम् पुलिस निरीक्षक, चैन्नई एवं अन्य; ए.आई.आर. 2004 एस. सी. 4286/Y.Abraham Ajith & Ors. Vs. Inspector of Police, Chennai & Ors.; AIR 2004 SC 4286 [d]

63. माननीय उच्चतम न्यायालय ने परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अन्तर्गत किस निर्णय में यह अभिनिर्धारित किया है कि यद्यपि राजीनामा के लिये उभयपक्ष की सहमति आवश्यक होती है परन्तु यदि न्यायालय इस बात से सन्तुष्ट है कि परिवादी की समुचित रूप से क्षतिपूर्ति की जा चुकी है तो न्यायालय, बिना ऐसी सहमति के भी न्यायहित में, अपने विवेकानुसार कार्यवाहियों को समाप्त कर, अभियुक्त को उन्मोचित कर सकता है:-/In which judgment, under the Negotiable Instruments Act, 1881 the Hon'ble Supreme Court held that though compounding requires consent of both the parties, but even in absence of such consent, the Court can, in the interest of justice, on being satisfied that the complainant has been duly compensated, in its discretion, close the proceedings and discharge the accused:

(a) मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम् प्रतीक जैन; 2015(1) एस.सी.सी. (क्रि.) 211/Madhya Pradesh State Legal Service Authority Vs. Prateek Jain; 2015(1) SCC (Cri) 211

(b) मिटर्स एण्ड इन्स्ट्रुमेन्ट्स प्रा. लि. बनाम् कंचन मेहता; ए.आई.आर. 2017 एस.सी. 4594/Meters and Instruments Private Limited Vs. Kanchan Mehta; AIR 2017 SC 4594

(c) जे.आई.के. इण्डस्ट्रीज लि. बनाम् अमरलाल वी. जुमानी एवं अन्य; ए.आई.आर. 2012 एस.सी. 1079/JIK Industries Ltd. Vs. Amarlal V. Jumani & Anr.; AIR 2012 SC 1079

(d) दामोदर एस. प्रभु बनाम् सैयद बाला लाल एच.; ए.आई.आर. 2010 एस.सी. 1907/Damodar S.Prabhu Vs. Sayyed Bala Lal H.; AIR 2010 SC 1907 [b]

64. निम्नलिखित निर्णयों में से किसमें, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह प्रतिपादित किया है कि सक्षम मजिस्ट्रेट, पुलिस को एक प्रथम सूचना रिपोर्ट में विस्तृत एवं निष्पक्ष अनुसंधान करने का निर्देश दे सकता है:/In which of the following judgments, the Hon'ble Supreme Court has laid down that the competent Magistrate can direct the Police to conduct thorough and fair investigation into an FIR:

(a) हसन भाई वली भाई कुरेशी बनाम् गुजरात राज्य; ए.आई.आर. 2004 एस.सी. 2078/Hasan Bhai Wali Bhai Qureshi Vs. State of Gujarat; AIR 2004 SC 2078

(b) सकीरी वासु बनाम् उत्तरप्रदेश राज्य; ए.आई.आर. 2008 एस.सी. 907/Sakiri Vasu Vs. State of U.P.; AIR 2008 SC 907

(c) रश्मि बहल बनाम् उत्तरप्रदेश राज्य एवं अन्य; ए.आई.आर. 2015 एस.सी. 776/Rashmi Behl Vs. State of U.P. & Ors.; AIR 2015 SC 776

(d) अजिजा बेगम बनाम् महाराष्ट्र राज्य; 2012(b) एस.सी.सी. (क्रि.) 61/Aziza Begum Vs. Sate of Maharashtra; 2012 (b) SCC (Cri.) 61 [b]



65. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में, यह प्रतिपादित किया है कि एक पक्षकार, जो इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रमाणित करवाना चाहता है परन्तु उसकी पहुँच उस यंत्र तक नहीं है जिससे वह दस्तावेज उत्पादित किया गया था, को साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-ख के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र को प्रस्तुत व प्रमाणित करना आवश्यक नहीं होगा:/In which judgment, the Hon'ble Supreme Court has laid down that a party, who is desirous of proving electronic evidence but does not have access to the device from which, the document was produced, is not required to produce and prove the certificate under Section 65-B of the Evidence Act:

(a) स्टेट ऑफ देहली एनसीटी बनाम् नवजोत संधू उर्फ अफसान गुरू; ए.आई.आर. 2005 एस.सी. 3826/State of Delhi NCT VS. Navjot Sandhu @ Afsan Guru; AIR 2005 SC 3826

(b) हरपाल सिंह उर्फ छोटा बनाम् पंजाब राज्य; 2016(4) क्राईम्स 154/Harpal Singh @ Chhota Vs. State of Punjab; 2016(4) Crimes 154

(c) अनवर पी.वी. बनाम् पी.के. बशीर; ए.आई.आर. 2015 एस.सी. 180/Anvar P.V. Vs. P.K.Bashir; AIR 2015 SC 180

(d) शफी मोहम्मद बनाम् हिमाचल प्रदेश राज्य; एस.एल.पी. (क्रि.) नं. 3202/2017, निर्णित 30.01.2018/Shafi Mohd. Vs. State of Himachal Pradesh; SLP (Cri) No.3202/2017, decided on 30.1.2018

[d]

66. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में, यह प्रतिपादित किया है कि एक मामले में प्रसंज्ञान लेने के पश्चात् मजिस्ट्रेट, पुलिस को आगे और अनुसंधान करने का निर्देश नहीं दे सकता है:/In which judgment, the Hon'ble Supreme Court has laid down that having taken cognizance of a case, the Magistrate cannot direct the Police to conduct further investigation:

(a) हरियाणा राज्य बनाम् चौधरी भजनलाल; ए.आई.आर. 1992 एस.सी. 604/State of Haryana Vs. Choudhary Bhajan Lal; AIR 1992 SC 604

(b) मैसर्स जयन्ति विटामिन बनाम् चैतन्य कुमार; ए.आई.आर. 1992 एस.सी. 1930/M/s. Jayanti Vitamin Vs. Chaitanya Kumar; AIR 1992 SC 1930

(c) अमूर्तभाई शम्भूभाई पटेल बनाम् सुमनभाई कान्तिभाई पटेल एवं अन्य; ए.आई.आर. 2017 एस.सी. 774/Amrutbhai Shambhubhai Patel Vs. Sumanbhai Kantibhai Patel & Ors.; AIR 2017 SC 774

(d) हेमन्त दशमना बनाम् सी.बी.आई., ए.आई.आर. 2001 एस.सी. 2721/Hemant Dhasmana Vs. CBI; AIR 2001 SC 2721

[c]

67. एक सक्षम न्यायालय, विद्युत अधिनियम, 2003 के अन्तर्गत कारित किसी दण्डनीय अपराध का प्रसंज्ञान लेगा:/A competent Court, shall take cognizance of an offence punishable under The Electricity Act, 2003:

(a) किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिखित परिवाद पर/Upon a complaint in writing made by any general person.



(b) मुख्य विद्युत निरीक्षक के मौखिक परिवाद पर/Upon an oral complaint made by a Chief Electrical Inspector.

(c) अनुज्ञप्तिधारी या उत्पादक कम्पनी के लिखित परिवाद पर/Upon a complaint in writing made by licensee or generating company

(d) उपरोक्त में से किसी पर नहीं/Upon none of the above [c]

68. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के प्रावधानों के अन्तर्गत, क्या मीडिया द्वारा किसी ऐसी रिपोर्ट का प्रकाशन किया जा सकता है जिससे लैंगिक आक्रमित बालक की पहचान प्रकट होती हो:/Under the provisions of Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012, can a report be published by the media, which discloses the identity of a sexually assaulted child:

(a) प्रकाशन नहीं किया जा सकता है/Cannot be published.

(b) लोकहित में प्रकाशन किया जा सकता है/Can be published in public interest.

(c) प्रकाशन किया जा सकता है, यदि सक्षम विशेष न्यायालय द्वारा अनुज्ञात कर दिया गया हो/Can be published, if permitted by competent Special Court.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above [c]

69. पुलिस अधिकारी, ऐसे सभी मामलों में जिनमें दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41(1) के उपबन्धों के अधीन किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी अपेक्षित नहीं है, उस व्यक्ति को जिसके विरुद्ध इस बारे में उचित परिवाद किया जा चुका है कि

उसने संज्ञेय अपराध किया है, तो:/Police Officer, in all cases where the arrest of a person is not required under section 41(1) of Cr.P.C., against whom, a reasonable complaint has been made that he has committed a cognizable offence, then:

(a) पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना और वारंट के बिना ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है।/Police Officer may without an order from a Magistrate and without a warrant, arrest such person.

(b) पुलिस अधिकारी ऐसे व्यक्ति को उसके समक्ष या ऐसे अन्य स्थान पर, जो सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, उपसंजात होने के लिये निदेश देते हुए सूचना जारी करेगा।/Police Officer shall issue a notice directing that person to appear before him or at such other place, as may be specified in the notice.

(c) पुलिस अधिकारी अपने कारणों को लेखबद्ध करते हुए ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है।/Police Officer while recording his reasons in writing, can arrest such person.

(d) पुलिस अधिकारी उपरोक्त सभी कर सकता है।/Police Officer can do all the above. [b]

70. यदि किसी न्यायालय का मजिस्ट्रेट, जो अपने न्यायालय के किसी प्रकरण के अभिलेख की, अपने प्राईवेट निवास पर परीक्षा करने की अपेक्षा रखता है, वह:/If a Magistrate of a Court, requiring to examine at his private residence, a record of a case in his Court, he:



- (a) ऐसे अभिलेख को बिना किसी की अनुमति के नियन्त्रण में ले सकेगा।/May take charge of such record without any permission.
(b) ऐसे अभिलेख को सम्बन्धित जिला एवं सेशन न्यायाधीश की पूर्व अनुमति से नियन्त्रण में ले सकेगा।/May take charge of such record with prior permission of concerned District & Sessions Judge.
(c) ऐसे अभिलेख को सम्बन्धित उच्च न्यायालय की पूर्व अनुमति से नियन्त्रण में ले सकेगा।/May take charge of such record with prior permission of concerned High Court.
(d) ऐसे अभिलेख को नियन्त्रण में नहीं ले सकता है।/Can not take charge of such record. [a]
71. 'अभ्यंतर' शब्द में कौनसी संधि प्रयुक्त हुई है ?
(a) यण संधि
(b) वृद्धि संधि
(c) गुण संधि
(d) दीर्घ संधि [a]
72. जिस समास में प्रथम पद संख्यावाचक अर्थात् गणनाबोधक होता है तथा दूसरा पद प्रधान होता है, उसे कहते हैं :
(a) द्वंद्व समास
(b) द्विगु समास
(c) तत्पुरुष समास
(d) कर्मधारय समास [b]
73. निम्नलिखित में से एक से अधिक उपसर्ग वाला शब्द चुनिए:
(a) निर्विरोध
(b) अंतरराष्ट्रीय
(c) संक्षेपण
(d) परिमार्जन [c]
74. इनमें से कौनसा शब्द पर्वत का सही पर्याय नहीं है ?
(a) भूधर
(b) शैल
(c) वर्त्य
(d) नग [c]
75. निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से विलोम शब्द का सही विकल्प बताइए:
(a) जड़-चेतना
(b) निर्दय-सदाशय
(c) शुभ-लाभ
(d) नैसर्गिक कृत्रिम [d]
76. 'जिजीविषा' शब्द का अर्थ प्रकट करने वाला वाक्यांश है:
(a) जानने की इच्छा
(b) ग्रहण करने की इच्छा
(c) किसी को जीतने की इच्छा
(d) जिंदा रहने की इच्छा [d]
77. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द बताइए:
(a) ज्योत्सना
(b) द्वारका
(c) मंत्रीमंडल
(d) हरितिमा [b]
78. निम्न शब्द-समूहों में वचन की दृष्टि से कौनसा विकल्प सही नहीं है?
एकवचन - बहुवचन
(a) लता - लताएँ
(b) गाथा - गाथाएँ
(c) क्षमा - क्षमाएँ
(d) कन्या - कन्याएँ [c]
79. निम्नलिखित में से कौनसा वाक्य शुद्ध है?
(a) मैं मंगलवार के दिन व्रत रखता हूँ।





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

- (b) आपके प्रश्न का समाधान मेरे पास है।
(c) वह उसका चश्मा भूल गया।
(d) आज उसके रहस्य का राज खुल गया [d]
80. LICENCE शब्द का सही हिंदी रूपांतरण बताइए:
(a) पट्टा
(b) अनुज्ञप्ति
(c) अनुमति पत्र
(d) प्रत्याभूति [b]
81. निम्न में से सही विकल्प बताइए:
(a) HONORARIUM - मानदेय
(b) APPROVAL - संस्तुति
(c) ACKNOWLEDGEMENT - कार्यवाही
(d) OATH - संदेश [a]
82. 'खूब मन लगाकर पढ़ो ताकि परीक्षा में प्रथम आओ' वाक्य में प्रयुक्त अव्यय कौनसा है ?
(a) खूब
(b) ताकि
(c) में
(d) आओ [b]
83. लिखते हुए किसी शब्द के छूट जाने पर उसे लिखने के लिए किस चिह्न का प्रयोग करते हैं:
(a) कोष्ठक चिह्न
(b) उद्धरण चिह्न
(c) अल्प विराम चिह्न
(d) हंसपद चिह्न [d]
84. 'खग जाने खग ही की भाषा का अभिप्राय है:
(a) चालाक ही चालाक की बात समझ सकता है।
(b) विद्वान् सभी भाषाओं का ज्ञाता होता है।
(c) पक्षी ही पक्षी की बोली जानता है।
(d) फालतू आदमी फालतू बात ही करता है। [a]
85. "किये हुए उपकार को न मानने वाला कहलाता है:
(a) कृतज्ञ
(b) कृतार्थ
(c) कृतघ्न
(d) कुलांगार [c]
86. Choose the correct alternative that expresses the 'Future Perfect' tense.
(a) She will be completing her assignment.
(b) She will complete her assignment.
(c) She is completing her assignment.
(d) She will have completed her assignment by midnight. [d]
87. 'He has just _____ out of the room in a rage.'
Supply the correct form of verb from the given alternatives.
(a) Flinged
(b) Flunged
(c) Flung
(d) Flanged [c]
88. _____ man is the only animal that uses fire.
(a) X
(b) The
(c) A
(d) An [a]
89. He has hardly _____ money for his survival.
(a) Few
(b) A few





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPSCJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBSJ | HPJS

- (c) Some
(d) Any [d]
90. 'As the enemy was closing in, we decided to stay away.'
The phrase 'close in' means:
(a) Shoot out
(b) Go away
(c) Come nearer
(d) Win [c]
91. When someone says, "I am out of the woods now", he means that:
(a) He has come out of the forest.
(b) He has destroyed all the woods.
(c) He is no longer in danger or difficulty.
(d) He does not want to live in forest. [c]
92. Choose the correct passive voice of the following sentence.
'We must not look down on the poor.'
(a) The poor must not looked down by us.
(b) The poor must not be looked on by us.
(c) The poor must not looked down on by us.
(d) The poor must not be looked down on by us. [d]
93. Identify the sentence which is not written in passive voice:
(a) Utmost care has to be taken.
(b) Being a student, you must work hard.
(c) He was being chased.
(d) The case has been set aside by the court. [b]
94. Complete the following sentence with the correct coordinating conjunction.
"I had studied a lot, _____ I did really well on the test."
(a) So
(b) For
(c) But
(d) Yet [a]
95. Complete the following sentence with correct subordinating conjunction:
'You can only play outside _____ your father gets home.'
(a) Whereas
(b) Until
(c) In case
(d) Because [b]
96. She said, "Merry Christmas!"
Which of the following is the correct indirect speech of the above statement:
(a) She told me Merry Christmas.
(b) She said that Christmas was Merry.
(c) She wished me a Merry Christmas.
(d) She called me a Merry Christmas. [c]





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

97. Which of the following sentences uses the modal 'would' to express a wish or desire:

- (a) Would that I had made contact with him before his departure.
- (b) Would you mind opening the window?
- (c) She would look at the stars for hours when she was a child.
- (d) She would not follow my advice.

[a]

98. Which of the following sentences expresses suggestion:

- (a) Will I close the door?
- (b) Shall I close the door?
- (c) May I close the door?

(d) Could I close the door? [b]

99. Pick the correct synonym for the word 'robust':

- (a) Strong
- (b) Frail
- (c) Infirm
- (d) Noxious

[a]

100. Choose the word which is opposite in meaning to the word "Veracity":

- (a) Truthfulness
- (b) Probity
- (c) Mendacity
- (d) Integrity [c]

linkinglaws.com





NOTE : Following subjects are removed from the current syllabus:-

1. Arbitration and Conciliation Act, 1996
2. Rajasthan Land Revenue Act, 1956
3. Rajasthan Tenancy Act, 1955
4. Hindu Law
5. Muslim Law
6. Legal Services Authorities Act
7. Raj Guaranteed delivery of public services Act
8. Raj right to hearing act
9. Rajasthan Panchayati Raj Act
10. Rajasthan Municipalities Act
11. Raj Agricultural Credit Operations Act,
12. Raj Court Fees & Suits Valuation Act
13. Rajasthan Stamp Act, 1998
14. Registration Act, 1908
15. Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012,
16. Raj relief of agricultural indebtedness Act
17. General rules(civil)
18. General rules(criminal)
19. Electricity Act, 2003
20. SC/ST (Prevention of Atrocities) Act
21. Easements Act, 1882
22. Sale of goods Act
23. Law of Torts
24. Narcotic Drugs and Psychotropic Substances
25. Partnership Act
Information Technology Ac

linkinglaws.com

